लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

श्रावण कृष्ण पक्ष अष्टमी 06:44 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2080

# अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

वर्ष 4, अंक 235, पृष्ठ 16, मूल्य: 6 रुपये

बरेली, सोमवार, 10 जुलाई 2023

www.amritvichar.com

PAGE NO : 05 BOTTOM

## मर्डर मिस्ट्री का कोर्ट रूम में समाधान

रिद्धिमा में नाटक का मंचन करते कलाकार।

- रिद्धिमा में हुआ नाटक कॉमेडी ऑफ सस्पेंस का मंचन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

**अमृत विचार:** एसआरएमएस रिद्धिमा में कोर्ट रूम कॉमेडी नाटक 'कॉमेडी ऑफ सस्पेंस' का मंचन हुआ। आयन रैंड द्वारा लिखित और राखी मानव द्वारा रूपांतरित और निर्देशित इस नाटक में एक महिला कनिका पर शहर के बड़े व्यापारी राज कौटिल्य की हत्या का इल्जाम है। कनिका राज कौटिल्य की पूर्व पर्सनल सेक्रेट्री है, जो उसके हर सही गलत काम में शामिल रहती थी। अपनी आर्थिक स्थिति को ठीक करने के लिए राज शहर के रईस बैंकर प्रकाश राजवंशी की बेटी सुकन्या से शादी कर लेता है। अदालत की सुनवाई में गवाहियों से राज कौटिल्य की हत्या के साथ और भी राज खुलते हैं।

चौकीदार गवाही देता है कि उसने राज कौटिल्य को आखिरी बार कनिका और दो अजनबियों के साथ कौटिल्य हाइट्स बिल्डिंग में आते देखा था। थोड़ी ही देर बाद, दोनों अजनबियों के जाने बाद राज कौटिल्य बिल्डिंग के बाहर ऊंचाई से गिरे पाए जाते हैं। जासूस जेम्स बोंडेला के अनुसार उसने किरन को राज कौटिल्य को पैंट हाउस की छत से फेंकते हुए देखा। इंस्पेक्टर पैंट हाउस में कौटिल्य का लिखा आखिरी पत्र पेश करता है। तभी जावेद सनकी अदालत में बताता है कि राज कौटिल्य जिंदा था, लेकिन अब मर चुका है। कनिका बेगुनाह है।

कनिका अदालत को बताती है कि कैसे जावेद और उसने राज कौटिल्य की नकली मौत के नाटक में अपना किरदार निभाया। कौटिल्य का तत्कालीन पर्सनल सेकेट्री वेद प्रकाश उसकी और कौटिल्य के बीच हुई बहस की जानकारी देकर केस को और भी उलझा देता है। सभी गवाहों से पता चलता है कि राज किस तरह का व्यक्ति था और उसके साथ कुछ गलत हो गया है। इस मामले की सुनवाई के दौरान सरकारी वकील कुंदन चौधरी तथा बचाव पक्ष के वकील मनीष सूझबूझ से दलीलें पेश करते हैं, लेकिन बीच बीच में आपस में झगड़ पड़ते हैं। प्रत्येक गवाह अपने आप में अलग व्यक्तित्व का है, जिसके कारण कोर्ट में हास्यास्पद स्थितियां पैदा हो जाती हैं। जिसे जज बेहद समझदारी से निपटाते हैं। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति, आशा मूर्ति, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार आदि शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।